रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर

दूसरों की सेवा और सहायता करना ही विज्ञान का लक्ष्य–प्रो. सदानंद सप्रे
विवि में विज्ञान सर्वत्र पूज्यते विषय पर साप्ताहिक विज्ञान उत्सव और विज्ञान प्रदर्शनी का हुआ शुभारंभ
विश्वविद्यालय परिसर में हुआ नक्षत्र वाटिका भूमिपूजन

जबलपुर 23 फरवरी। भारत की प्राचीन ज्ञानार्जन परंपरा के आयाम मानवीय मूल्यों पर आधारित थे–दूसरों की सेवा और सहायता करना विज्ञान का लक्ष्य होना चाहिए। आज के युवाओं और छात्रों को इस बात का ध्यान रखना आवश्यक है कि प्राचीन भारतीय विज्ञान में नवाचारों का प्रयोग कर उसे जनकल्याण के लिए उपयोगी बनाया जाये। विज्ञान सर्वत्र पूज्यते का जमीनी धरातल पर लाकर विज्ञान को देश और समाज कल्याण के लिए उपयोगी बनाएं। ये विचार प्रो. सदानंद सप्रे, वरिष्ठ समाज सेवी एवं पूर्व प्राध्यापक, मौलाना आजाद नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, भोपाल ने बुधवार को विश्वविद्यालय के पं. कुंजीलाल दुबे प्रेक्षागृह में आयोजित विज्ञान सर्वत्र पूज्यते विज्ञान सप्ताह समारोह का स्थानीय उद्घाटन कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में व्यक्त किये।

विश्वविद्यालय प्रेक्षागृह में आयोजित कार्यक्रम में वर्चुअल माध्यम से जुड़े मुख्य अतिथि मान. मंत्री श्री ओम प्रकाश सखलेचा, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग, म.प्र. शासन ने अपने ऑनलाईन संदेश में कहा कि युवा को विज्ञान से जोड़ने के लिए किया गया यह प्रयास अतुलनीय है। युवा अच्छे वैज्ञानिक बने और विज्ञान के क्षेत्र में आगे बढ़ें यही सभी का प्रयास है। विज्ञान सर्वत्र पूज्यते विज्ञान सप्ताह समारोह के स्थानीय उद्घाटन कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि श्री अशोक रोहाणी, विधायक केंट क्षेत्र, जबलपुर, डॉ. अनिल कोठारी, महानिदेशक, म.प्र. विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद, भोपाल एवं प्रो. सदानंद सप्रे, वरिष्ठ समाज सेवी एवं पूर्व प्राध्यापक, मौलाना आजाद नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, भोपाल सारस्वत आतिथ्य, श्री प्रवीण रामदास, राष्ट्रीय सचिव, विज्ञान भारती एवं कार्यक्रम अध्यक्ष प्रो. कपिल देव मिश्र, कुलपति, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, कुलसचिव प्रो. बृजेश सिंह, वित्त नियंत्रक श्री रोहित सिंह कौशल, आयोजन समन्वयक प्रो. सुरेन्द्र सिंह मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद के डॉ. एन.के. शिवहरे, डॉ. पी. के. दीधर्रा मंचासीन रहे।

जो सभी का कल्याण करे वही विज्ञान–

विज्ञान सर्वत्र पूज्यते स्थानीय उद्घाटन कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए माननीय कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र ने कहा कि विज्ञान सत्य की खोज करता है, विज्ञान वही है जो सभी का कल्याण करे। दुनिया में भारत की श्रेष्ठता बढ़ाने में विज्ञान का बहुत बड़ा योगदान है। आज भारत पूरी दुनिया में विज्ञान में चौथे स्थान पर खड़ा है। आपदा में अवसर वैज्ञानिक दृष्टिकोण वाले व्यक्ति ही खोज सकते हैं। कोरोना काल में शैक्षणिक प्रक्रिया तकनीक के सहारे से ही चली है। तकनीक की खोज विज्ञान की बहुत बड़ी देन है। आयोजन में विशिष्ट अतिथि श्री प्रवीण रामदास, राष्ट्रीय सचिव, विज्ञान भारती ने कहा कि आक्रांताओं ने भारत की संस्कृति तथा ज्ञान परंपरा को नकारने का सुनियोजित प्रयास किया। कुछ तत्व सामाजिक एकता तथा सहभागिता में सेंध लगाने का प्रयास लगातार करते रहे, मगर परंपरागत सर्व धर्म समभाव में गहरी आस्था रखने वालों के सामने सफल नहीं हो पाए। जब एक अकर्मण्य शासन को पराजित कर अंग्रेजों ने भारत पर आधिपत्य जमाया तो उन्होंने सबसे महत्वपूर्ण नीतिगत निर्णय लिया– भारत पर आधिपत्य बनाए रखने के लिए भारतीयों को भारत की संस्कृति, इतिहास, वैज्ञानिक योगदान से अलग करने का कार्य किया। उन्होने कहा कि देश की स्वतंत्रता में भारतीय वैज्ञानिकों का महत्वपूर्ण योगदान है। डॉ. अनिल कोठारी, महानिदेशक, म.प्र. विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद, भोपाल ने कहा कि विज्ञान सप्ताह के माध्यम से जन–जन को विज्ञान के प्रति जागरूक करने का प्रयास है। प्रारंभ में विषय प्रर्वतन डॉ. एन. शिवहरे ने किया। स्वागत भाषण आयोजन समन्वयक प्रो. सुरेन्द्र सिंह, संचालन प्रो. सुनीता शर्मा एवं आभार प्रदर्शन कुलसचिव प्रो. बृजेश सिंह ने किया।

विज्ञान प्रदर्शनी का शुभारंभ–

विज्ञान सप्ताह की शुरूआत पर अतिथियों द्वारा विज्ञान पर आधारित प्रदर्शनी का शुभारंभ भी किया गया। इस मौके पर आयोजन समन्वयक प्रो. सुरेन्द्र सिंह ने बताया कि विद्यार्थियों के लिए प्रदर्शनी लगाई गई है। इसे देखें और विज्ञान के बारे में समझें। इस प्रदर्शनी से बहुत सीख मिलती है। मैपकास्ट के डॉ. निपुण सिलावट ने बताया कि इस आयोजन को चार प्रमुख विषयों में बांटा गया है जिसमें विज्ञान और प्रौद्योगिकी का इतिहास, आधुनिक भारतीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी के मील के पत्थर, स्वदेशी परम्परागत आविष्कार और नवाचार, विज्ञान और प्रौद्योगिकी एवं ट्रांसफॉर्मिंग इंडिया आदि विषय शामिल हैं।

नक्षत्र वाटिका का भूमिपूजनएवं शिलान्यास–

उद्घाटन कार्यक्रम के पूर्व विश्वविद्यालय परिसर में मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद के सहयोग से निर्मित होने वाले नक्षत्र वाटिका औषधीय उद्यान का भूमिपूजन एवं शिलान्यास किया गया। भूमिपूजन एवं शिलान्यास कार्यक्रम मान. विद्यायक श्री अशोक रोहाणी, डॉ. अनिल कोठारी, प्रो. सदानंद सप्रे एवं विवि कुलपति माननीय प्रो. कपिल देव मिश्र, कुलसचिव प्रो. बृजेश सिंह, वित्त नियंत्रक श्री रोहित सिंह कौशल, आयोजन समन्वयक प्रो. सुरेन्द्र सिंह, म.प्र. विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद् के डॉ. एन.के. शिवहरे, डॉ. पी. के. दीघर्रा, डॉ. एस.एन. रजक, डॉ. निपुण सिलावट, समन्वयक प्रो. सुरेंद्र सिंह, प्रो. एसएस संधू, डॉ मुकेश राय, प्रो. सुनीता शर्मा, प्रो. धीरेंद्र पाठक, प्रो. मुक्ता भटेले, डॉ. अजय मिश्रा, डॉ. जितेंद्र मैत्रा, प्रो. राजेंद्र कुरारिया, डॉ. अजय गुप्ता, डॉ. निधि सक्सेना, प्रो. एसएन बागची, प्रो. मृदुला दुबे की मौजूदगी में हुआ।

एमओयू हस्ताक्षरित–

म.प्र. विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद् (मेपकास्ट) भोपाल एवं रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर के बीच महत्वपूर्ण एमओयू हस्ताक्षरित किया गया। रादुविवि की ओर से माननीय कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र एवं म.प्र. विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद् (मेपकास्ट) के महानिदेशक डॉ. अनिल कोठारी ने सहमति–पत्र (एमओयू) पर हस्ताक्षर किये। इस मौके पर डॉ. कोठारी ने बताया कि इस एमओयू के माध्यम से मैपकास्ट के माध्यम से प्रदत्त सुविधाओं से विश्वविद्यालय के विद्यार्थी एवं शोधार्थी लाभान्वित होंगे। शोधार्थी इन अध्ययन क्षेत्रों से जुड़ी महत्त्वपूर्ण परियोजनाएं एवं शोध कार्य कर सकेंगे। इसके माध्यम से उन्हें अपने कैरियर को आकार देने का सुनहरा अवसर मिलेगा।